महाशिवरात्रि पर श्रद्धालु उमड़ेंगे अपार,11 लाख का आंकड़ा होगा पार

महाकाल मंदिर प्रशासक ने व्यवस्थाओं का लिया जायजा, अलग-अलग सेक्टर बनाकर अधिकारियों को सौंपी जिम्मेदारी

उज्जैन। महाशिवरात्रि का त्यौहार पर महाकाल की नगरी में धूमधाम से मनाया जाएगा, देशभर से विश्व प्रसिद्ध बाबा महाकाल का दर्शन करने के लिए श्रद्धालु पहुंचेंगे, इसके मद्देनजर महाकाल मंदिर प्रसाद का प्रथम कौशिक ने आज व्यवस्थाओं का जायजा लिया और मीटिंग ली। वैसे तो महाशिवरात्रि का पावन पर्व 15 फरवरी को मनाया जाएगा। बावजूद इसके देश विदेश से लाखों श्रद्धालु अभी से उज्जैन पहुंचने लगे हैं। व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए मंदिर प्रशासक प्रथम कौशिक जिला प्रशासन, नगर निगम और सभी अन्य विभागों के अधिकारी कर्मचारियों को साथ लेकर निकले और बैठक लेकर उन्हें जिम्मेदारी भी सौंपी।

नवभारत से चर्चा में प्रथम कौशिक ने बताया कि 10 लाख श्रद्धालुओं के आने का आकलन किया गया है और इससे ज्यादा ही श्रद्धालु आएंगे, वीआईपी और सामान्य दर्शनार्थियों की लाइन अलग-अलग रहेगी। कर्कराज पार्किंग पर सामान्य दर्शनार्थी चरणबद्ध तरीके से महाकाल लोक होते हुए बाबा महाकाल के दर्शन करेंगे। वहीं दर्शन के बाद हरसिद्धि शेर चौराहे से निगम द्वार से श्रद्धालु बाहर प्रस्थान करेंगे ।इसी तरह वीआईपी श्रद्धालु भी परमिशन लेकर कर्कराज पार्किंग से ही प्रवेश करेंगे। लेकिन उनकी कतार लग रहेगी और मानसरोवर हरसिद्धि होते हुए वह भी बाहर के प्रस्थान करेंगे। इसके लिए जिला कलेक्टर रोशन कुमार सिंह से लगाकर सिंहस्थ मेला अधिकारी संभागायुक्त आशीष सिंह, एसपी प्रदीप शर्मा और एडीएम अतेंद्र सिंह गुर्जर से लेकर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा और अपर आयुक्त संतोष टैगोर से लेकर विकास प्राधिकरण के सीईओ संदीप सोनी, एसडीएम एलएन गर्ग, एसडीएम कृतिका भीमावद, एसडीएम पवन बारिया, सिम्मी यादव, सुरक्षा अधिकारी जयंत राठौर से लगाकर सभी अधिकारी कर्मचारी महाशिवरात्रि पर्व के मध्य नजर अलग-अलग जिम्मेदारी संभाल रहे हैं।

आप हमारा सहयोग करो हम आपका...

महाकाल मंदिर प्रशासक प्रथम कौशिक ने अभी बताया कि जितना सहयोग श्रद्धालु करेंगे उतनी ही आसानी से बाबा महाकाल के दर्शन मंदिर प्रबंध समिति और जिला प्रशासन द्वारा कराए जाएंगे। विद्युत व्यवस्था, शौचालय व्यवस्था, पेयजल, पार्किंग, जूता स्टैंड, शीघ्र दर्शन टिकट, प्रसाद काउंटर से लेकर अन्य व्यवस्था में और बैरीकेड की जिम्मेदारी अलग-अलग अधिकारियों को सौंप गई है। ऐसे में नगरवासियों को भी किसी प्रकार की दिक्कत ना हो इसलिए वन वे और नो पार्किंग झोन से लगाकर सभी तरह के दिशा निर्देश जारी किए हैं, ताकि बाबा महाकाल के सतत निर्बाध दर्शन होते रहे और महाशिवरात्रि पर्व पर उज्जैन आए श्रद्धालु अच्छा अनुभव लेकर जाए ।श्रद्धालुओं को महाकाल मंदिर तक लाने और छोड़ने के लिए 10 यात्री बसें भी नि:शुल्क चलाई जाएंगी। यह यात्री बस है हरी फाटक स्थित स्मार्ट पार्किंग से मिलेगी और कर्कराज पार्किंग तक श्रद्धालुओं को छोड़ेगी।

नब्ज देखकर बता रहे हैं रोग की जानकारी, जड़ी-बूटियों से उपचार

महाकाल वन मेला में लगे 250 स्टॉलों पर आयुर्वेदिक उत्पादों की हो रही बिक्री

उज्जैन। दशहरा मैदान पर वन विभाग द्वारा आयोजित 6 दिवसीय वन मेले में अकाष्ठीय वनोपज, ग्रामीण आजीविका, हर्बल उद्यमिता, संरक्षण, प्रसंस्करण और विपणन के स्टॉल पर लोगों की भीड़ लगी है। मेले में लगे 250 स्टॉलों पर वनोपज, आयुर्वेदिक उत्पादों की बिक्री की जा रही है। मेले में परम्परागत वैद्यों द्वारा नब्ज देखकर निःशुल्क चिकित्सीय परामर्श के साथ आयुर्वेद और जड़ीबुटियों के माध्यम से उपचार भी दिया जा रहा है। मेले में प्रतिदिन लोग चिकित्सीय परामर्श का लाभ उठा रहे है।

वन विभाग द्वारा आयोजित 06 दिवसीय महाकाल वन मेले में 250 भव्य, आकर्षक स्टॉल लगाए गए हैं। इनमें 76 स्टॉल प्राथमिक लघु वनोपज समितियों और वन धन केंद्रों के हैं वहीं 76 स्टॉल निजी क्षेत्र के उद्यमियों के हैं। 16 स्टॉल विभिन्न शासकीय विभागों की प्रदर्शनी के लिए हैं, 16 स्टॉल वन आधारित फूड ज़ोन के हैं। मेले का शुभारंभ 11 फरवरी को होने के बाद से ही वनोपज और आयुर्वेद का लाभ लेने के लिए लोगों का रुझान दिखाई दे रहा है। यहां 50 स्टॉल नि:शुल्क आयुर्वेदिक ओपीडी के लिए समर्पित किए गए हैं। इन स्टॉल में 50 आयुर्वेदिक डॉक्टर और पारंपरिक वैद्य सेवाएं दे रहे है।महाकाल वन मेले में परम्परागत वैद्यों द्वारा नब्ज देखकर नि:शुल्क चिकित्सीय परामर्श के साथ आयुर्वेद और जड़ीबुटियों के माध्यम से उपचार भी दिया जा रहा है। प्रतिदिन मेले में आने वाले लोग वेद्य से रोगों के उपचार के नि:शुल्क परामर्श के बाद रोग निदान के लिए आयुर्वेदिक औषधि और जड़ीबुटियों की खरीददारी कर रहे है। जबलपुर से आए वैद्य संतोष आनंद जायसवाल ने बताया कि उनके स्टॉल पर अधिकांश रोगी गाठियावात, मिर्गी, माइग्रेन, दमा, भगंदर, बबासीर, साइटिका, पीलिया, किडनी रोग के अलावा प्रोस्टेट केंसर के रोगी भी नि:शुल्क परामर्श लेने के बाद जड़ीबुटियों के माध्यम से इलाज करा रहे है। वेद्य जायसवाल विगत 19 वर्षों से वन विभाग द्वारा प्रदेश के विभिन्न जिलों में आयोजित होने वाले वन मेले में रोग परीक्षण के लिए अपनी सेवाएं दे रहे है।उनका कहना है कि जटिल रोगों का इलाज भी आयुर्वेदिक औषधियों और जड़िबुटियों से किया जा रहा है।

वन मेले में खान-पान का स्वाद भी ले रहे हैं लोग

महाकाल वन मेले में लगे फूड झोन में बांधवगढ़ के गोंडी व्यंजन, छिंदवाड़ा की वन भोज रसोई और अलीराजपुर का पारंपरिक दाल-पानिया के स्टॉल पर लोग पारंपरिक खान-पान का स्वाद भी ले रहे है। साथ ही दोना-पत्तल निर्माण, शहद, लाख, कोदो-कुटकी, सबई रस्सी जैसे उत्पादों का जीवंत प्रदर्शन हो रहा है। मेले में महुआ फूल, महुआ गुल्ली, साल बीज, अचार गुठली, आंवला, जामुन, बेल फल एवं चकोंडा बीज जैसे प्रमुख उत्पाद भी विक्रय हो रहे है। महाकाल वन मेले में लगाए गए चीता परिवार और डायनासोर का विशाल स्कल्पचर आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। स्कल्पचर देखने के लिए लोगों की भीड लग रही है। मेले में आने वाले वरिष्ठ नागरिकों के लिये व्हीलचेयर एवं गोल्फ कॉर्ट की सुविधा, ओपीडी में उपचार कराने वाले लोगों के लिए पृथक से बैठक व्यवस्था, बच्चों के लिए आकर्षक एवं मजेदार किड्स झोन की सुविधा भी है।

सड़क दुर्घटना का शिकार हुए दो युवक, एक की मौत

उज्जैन। बीती रात सड़क दुर्घटना में बाइक सवार दो युवक गंभीर घायल हो गए। दोनों को अस्पताल पहुंचाया गया जहां से उज्जैन रैफर किया गया लेकिन एक की मौत हो गई। दूसरे का उपचार चल रहा है।

तराना के ग्राम जवासिया में बीती रात बाइक सवार दो युवक गंभीर घायल हालत में सड़क पर पड़े थे। उन्हें अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी थी। रास्ते से गुजर रहे समाजसेवी दिनेश शर्मा ने उन्हें देखा तो अपने वाहन से तत्काल शासकीय अस्पताल पहुंचाया। दोनों की हालत काफी गंभीर थी। डॉक्टरों ने उज्जैन रैफर कर दिया। लेकिन रास्ते में एक की मौत हो गई। घायल युवक का नाम विष्णु पिता भैरुलाल मालवीय 22 साल निवासी लसुड़िया बेचर सामने आया। मृतक पप्पू पिता अमरसिंह कीर 30 साल था। दुर्घटना की जानकारी लगते ही परिजन उज्जैन पहुंच गए थे। शुक्रवार सुबह पप्पू के पोस्टमार्टम के दौरान परिजनों ने बताया कि दोनों पिंगलेश्वर स्थित ब्लॉक फेक्ट्री में काम करते थे। देर शाम काम खत्म होने पर दोनों बाइक से घर लौट रहे थे। मामले में पुलिस ने दुर्घटना के साथ मर्ग कायम करते हुए अज्ञात वाहन की तलाश शुरू की है जो कार होना सामने आई है।

खेलने गया बालक खेत में मृत पड़ा मिला

उज्जैन। घर से खेलने का बोलकर निकला बालक शाम को खेत में मृत पड़ा मिला। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची बालक को अस्पताल लाया गया। शुक्रवार सुबह पोस्टमार्टम कराया गया है, खेत मालिक से पूछताछ जारी है। ग्राम पिपलिया बढ़ा में रहने वाले इरफान शाह का 11 वर्षीय पुत्र फरकान कक्षा छठवीं में अध्ययन करता था। गुरुवार दोपहर को घर से खेलने का बोलकर निकला। शाम तक नहीं लौटा तो परिजन तलाश में निकले और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने बच्चे का फोटो और स्कूली दस्तावेज परिजनों से मंगवाये, इसी बीच खबर आई की गांव में रहने वाले बाबू परमार के खेत में एक बालक की लाश पड़ी है। पुलिस तत्काल खेत पहुंची, बालक फरकान होना सामने आया। परिजन लाश देखकर बिलख पड़े। पुलिस के अनुसार बालक की मौत करंट लगने से हुई थी, शव आस्पताल पहुंचाया गया और जांच शुरू की गई। इस दौरान सामने आया कि खेत मालिक बाबू ने लहसुन की फसल बोई है मवेशी खेत में ना घुसे इसको लेकर उसने बिजली के खुले तार खेत में बिछा रखे थे। खेलने के दौरान बालक के खेत में जाने पर करंट लगा और उसकी मौत हुई है। पुलिस ने खेत मालिक को पूछताछ के लिए थाने पर बैठा लिया है। मृतक बालक का पोस्टमार्टम कराया गया इस बात की जानकारी जुटा जा रही है कि बालक अकेला खेत में गया था या फिर उसके साथी भी मौजूद थे।

बहन की आंखों में सजे सपने, अपनी पलकों पर संघर्ष

नवभारत एक्सक्लूसिव

मिलिए महाकाल की नगरी में माला कंठी बेचती मोनालिसा की बहन इशिका से

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव से मिलकर रुद्राक्ष की माला देना चाहती हैं

महाशिवरात्रि पर महाकाल मंदिर क्षेत्र में बेच रही माला

प्रमोद व्यास

उज्जैन. प्रयागराज महाकुंभ में जो दो बहने वायरल हुई थी और अपनी नीली आंखों से चर्चा में आई. उसके बाद सोशल मीडिया पर लगातार छाई रही. संतों-महंतों, महामण्डलेश्वरों के कुंभ में गंगा के तट पर माला कंठी रुद्राक्ष बेचने वाली बहनों की खूब चर्चा रही, एक बहन मुंबई ग्लैमर की दुनियां में पहुंच गई,वही दूसरी बहन का क्या हुआ, नवभारत में पढ़िए खास खबर.

यूं तो दुनिया बहुत बड़ी है,

बावजूद इसके कुछ चेहरे अपनी सादगी और संघर्ष से इतिहास लिख देते हैं जो अमिट छाप बन जाते है. प्रयागराज महाकुंभ की वह नीली आँखों वाली लड़की याद है? जी हाँ, मोनालिसा. जिसने अपनी जादुई आँखों और रुद्राक्ष बेचते हुए सादगी से पूरे देश को अपना मुरीद बना लिया था. आज मोनालिसा फिल्मी पर्दे की चकाचौंध में अपनी जगह बना चुकी हैं, इसी कहानी का एक दूसरा हिस्सा बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन में क्षिप्रा के तट पर अपनी तकदीर लिख रहा है. वह हिस्सा है मोनालिसा की छोटी बहन इशिका, जो अपनी बहन की कामयाबी के लिए खुद पीछे हट गई और आज खुले आसमान के नीचे परिवार का सहारा बनी हुई है. उज्जैन कार्तिक मेला ग्राउंड के सामने रणजीत हनुमान मंदिर मार्ग पर एक डेरे में इशिका रह रही है, और माल बेचकर अपना और अपने परिवार का भरण पोषण कर रही है.

खुले आसमान के नीचे संघर्ष और महाकाल पर अटूट विश्वास-वर्तमान में इशिका अपने परिवार के साथ क्षिप्रा नदी के किनारे एक अस्थाई डेरे (झोपड़ी) में रह रही है. सुख-सुविधाओं से दूर, अभावों के बीच रहते हुए भी उसके चेहरे पर शिकन नहीं है. इशिका कहती है कि वह बाबा महाकाल को ही अपना सब कुछ मानती हैं. फिल्मों में जाने के सवाल पर वह बड़ी सादगी से कहती है, बाबा महाकाल मेरे पिता हैं, अगर उनका आशीर्वाद हुआ और उन्होंने चाहा, तो एक दिन मैं भी पर्दे पर दिखूँगी.

सिंहस्थ की तैयारी और उम्मीदों का कारवां-इशिका और उसका परिवार अभी से आने वाले सिंहस्थ कुंभ की तैयारियों में जुटा है. उनका कहना है कि वे कुंभ में भी इसी तरह रुद्राक्ष और माला बेचकर अपनी परंपरा और व्यापार को जीवित रखेंगे.

बहन की उड़ान के लिए खुद जमीन बनी इशिका

जहाँ मोनालिसा इन दिनों मशहूर डायरेक्टर सनोज मिश्रा के साथ अपनी आने वाली फिल्मों की शूटिंग में व्यस्त हैं, वहीं इशिका उज्जैन में महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर कंठी-माला और रुद्राक्ष बेच रही हैं. जब उनसे पूछा गया कि वह अपनी बहन की तरह पर्दे पर क्यों नहीं दिखीं, तो इशिका की आँखों में एक अजीब सी चमक और संतोष था. उसने बताया मैं अपनी बहन से बहुत प्यार करती हूँ. मैं चाहती हूँ कि वह खूब आगे बढ़े, इसलिए मैंने खुद कदम पीछे खींच लिए ताकि उसे मौका मिल सके. मैं यहाँ अपने पिता के व्यापार को संभाल रही हूँ ताकि हमारे परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत हो सके.

बदले उज्जैन को देख मुख्यमंत्री की मुरीद हुई इशिका

इशिका ने उज्जैन में आए बदलावों को करीब से महसूस किया है. उसने बताया कि जब वह प्रयागराज में थी, तब का उज्जैन और आज का उज्जैन पूरी तरह बदल चुका है. महाकाल परिसर से लेकर पूरे मंदिर परिसर का विस्तार देखकर वह दंग है. इशिका कहती है कि यह सब मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रयासों का फल है. उन्होंने उज्जैन की सूरत ही बदल दी है. इशिका मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मिलने की इच्छा रखती है. उसने सुना है कि वे बहुत मददगार हैं और वह उन्हें अपने हाथों से रुद्राक्ष की एक विशेष माला भेंट करना चाहती है.

ग्लैमर के पीछे त्याग-यह कहानी केवल रुद्राक्ष बेचने वाली एक लड़की की नहीं है, बल्कि उस त्याग की है जो एक बहन दूसरी बहन के लिए करती है. जहाँ एक तरफ ग्लैमर की दुनिया है, वहीं दूसरी तरफ क्षिप्रा के घाटों पर संघर्ष और सेवा की मिसाल पेश करती इशिका है.

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने आंगनवाड़ी का किया निरीक्षण

उज्जैन। राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम के अन्तर्गत उज्जैन जिले में नियमित टीकाकरण की बेहतर सेवा प्रदायगी के लिए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार पटेल द्वारा उज्जैन शहर के हामुखेड़ी क्षेत्र की आंगनवाड़ी केन्द्र कमांक 01 व 02 में आयोजित टीकाकरण सत्र का औचक निरीक्षण किया गया। डॉ. पटेल ने निर्देश दिये कि टीकाकरण सत्र स्थल पर एमसीपी कार्ड में गर्भवती महिला व शिशुओं को प्रदान की जा रही टीकाकरण सेवाओं सहित समस्त प्रकार की प्रविष्टि पूर्ण दर्ज करने व युविन पोर्टल पर भी प्रविष्टि भी शतप्रतिशत कर

सुव्यवस्थित रिकार्ड संधारित करें। पूर्व निर्धारित कार्ययोजना अनुसार टीकाकरण सत्रों का आयोजन कर ड्यूलिस्ट अनुसार गर्भवती महिलाओं व बच्चों का टीकाकरण शतप्रतिशत करें। गर्भवती महिलाओं को आयरन की गोली का सेवन भी निर्धारित दिशा निर्देशानुसार करवाएं। क्षेत्र की हाईरिस्क गर्भवती महिलाओं का चिन्हांकन कर उनको प्रसव पूर्व पूर्ण प्रबंधन सुनिश्चित कर उनको संस्थागत प्रसव के लिए प्रेरित कर संस्थागत प्रसव सम्पादित करवाएं। गर्भवती महिलाओं का शतप्रतिशत एएनसी पंजीयन कर उनको 04 एएनसी जांचों की सुविधा भी उपलब्ध करवाएं। क्षेत्र की लक्ष्य दम्पतियों को नसबंदी ऑपरेशन करने के लिए प्रेरित करें। निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार पटेल के साथ उप जिला विस्तार एवं माध्यम अधिकारी चरण सिंह मण्डलोई व पब्लिक हेल्थ मैनेजर सांवलिया पाटीदार, महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता भी उपस्थित थे।

सफाई मित्रों के साथ बैठक

उज्जैन। महापौर मुकेश टटवाल द्वारा शुक्रवार को निरीक्षण के दौरान निकास चौराहा पर नगर निगम के सफाई मित्रों द्वारा जब उपस्थिति दर्ज करवाई जा रही थी। तभी सफाई मित्रों के साथ बैठकर सफाई व्यवस्था को लेकर बात करते हुए चाय की चुस्की भी ली गई। साथ ही कहा कि स्वच्छता सर्वेक्षण अंतर्गत सर्वे कार्य प्रारंभ होना है। इसलिए नियमित रूप से सफाई कार्य संपादित करें, सड़कों पर कचरे का ढेर ना रहे, गीला सूखा कचरा अलग-अलग संग्रहित करवाया जाए। लाखों की तादाद में श्रद्धालु एवं यात्रीगण बाहर से आएंगे इसलिए हमारा उज्जैन शहर साफ- स्वच्छ होना चाहिए। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग के प्रभारी सत्यनारायण चौहान, एमआईसी सदस्य प्रकाश शर्मा, स्वास्थ्य अधिकारी हरीश व्यास उपस्थित रहे।

संगठन सर्जन अभियान को लेकर वार्ड समिति की बैठक संपन्न

उज्जैन। संगठन सर्जन अभियान के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 39 स्थित किशनपुरा के संत बालीनाथ कम्युनिटी हाल में वार्ड समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, पार्टी विस्तार तथा नए कार्यकर्ताओं के गठन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई और आगामी रणनीति पर विचार-विमर्श हुआ। अध्यक्षता माधव नगर ब्लॉक अध्यक्ष चंद्रभान सिंह चंदेल ने की। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में मध्य प्रदेश सह प्रभारी संजय दत्त, जिला प्रभारी अमित शर्मा, शहर कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश भाटी, अजीत सिंह ठाकुर, भरत

पोरवाल उपस्थित रहे। इनके साथ पूर्व पार्षद जितेंद्र तिलकर, सुरेंद्र मरमट, दीपक मेहरा, लालचंद भारती, हिमांशु जोशी, अर्पित यादव, बाबूलाल गोठवाल, मनोहर चावंड, राजू खलीफा एवं सुरेश वासनिक भी मंचासीन रहे। अतिथियों एवं वार्ड के वरिष्ठ कांग्रेस कार्यकर्ताओं का स्वागत मनीष गोमे, हरीश ललावत, राहुल अखंड एवं निखिल गोठवाल द्वारा किया गया। इस अवसर पर रामप्रसाद तिलकर, गराजेंद्र गोमे, धनराज, लालू लोदवाल सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

शिव विवाह | **महाशिवरात्रि पर 15-16 फरवरी की रसीद निरस्त कर राशि लौटाई**

परंपरा : महाकाल मंदिर के 22 पुरोहितों का कलेक्टर को पत्र, अभिषेक रसीद रोकी

नवभारत न्यूज

उज्जैन। महाकाल मंदिर के 22 पुरोहित धर्मस्व पुजारियों ने श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष एवं उज्जैन कलेक्टर को पत्र लिखकर कहा है कि अभिषेक-पूजन की परंपरा को खंडित न होने दे। दरअसल मंदिर प्रबंध समिति ने इस बार महाशिवरात्रि जैसे बड़े पर्व के दौरान व्यवस्था नहीं होने का हवाला देकर अभिषेक-पूजन के लिए कटाई जाने वाली रसीद पर रोक लगा दी है। इतना ही नहीं पूर्व से श्रद्धालुओं ने जो रसीदें कटा रखी थी उन्हें भी रसीद की राशि लौटा दी है। रसीद के जरिए ही पुरोहित श्रद्धालुओं का अभिषेक संपन्न कराते हैं। इससे श्रद्धालुओं के साथ मंदिर के पुरोहितों में खासी नाराजगी है।

श्री महाकालेश्वर मंदिर पुरोहित समिति के अध्यक्ष पं. लोकेंद्र व्यास, सचिव पं. दीपक शर्मा ने कहा कि महाकाल मंदिर में दर्शनार्थियों के अभिषेक-पूजन की सदियों से चली आ रही परंपरा को खंडित किया जा रहा है जो कि उचित नहीं है। महाकालेश्वर मंदिर शैव परंपरा का मंदिर है जहां धर्म-शास्त्र के अनुसार शिव की आराधना में अभिषेक-पूजन करवाने का विशेष महत्व प्रमुख रूप से प्रतिपादित होता है। परंतु वर्तमान में मंदिर प्रशासन द्वारा महाशिवरात्रि पर्व पर मंदिर के अधिकृत 22 पुरोहित धर्मस्व पुजारियों को विश्वास में लिए बिना अभिषेक-पूजन की इस परंपरा को व्यवस्था नहीं होने का हवाला देकर खंडित करने का प्रयास किया जा रहा है। जानकारी मिली है कि मंदिर समिति द्वारा 15 व 16 फरवरी को अभिषेक की रसीद नहीं काटने का निर्णय लिया है। वहीं पूर्व में जिन श्रद्धालु ने रसीद कटा रखी थी उनकी राशि भी लौटा दी गई है।

10 लाख लोगों के लिए हाइटेक प्लॉन, 40 मिनट में होंगे दर्शन

महाशिवरात्रि पर महाकाल में 10 लाख श्रद्धालु को दर्शन के लिए प्रशासन का हाइटेक प्लान तैयार है। गुरुग्राम की आईटी कंपनी, साइबर और पुलिस की टीम गूगल मैप के एल्गोरिदम में तकनीकी बदलाव करेगी। किसी भी मार्ग पर जाम लगते ही या पार्किंग फुल होते ही वह रास्ता मैप से हटाकर वैकल्पिक खाली मार्ग सक्रिय करेंगे ताकि श्रद्धालु वहां जा सके। श्रद्धालुओं को 40 मिनट में दर्शन कराएंगे।

शिव की गोद में पार्वती, गर्भगृह में उमा-महेश रूप में सजे महाकाल

महाकाल मंदिर में शिव नवरात्रि उत्सव में शुक्रवार को भगवान महाकाल ने उमा-महेश रूप में दर्शन दिए। कोटितीर्थ कुंड पर कोटेश्वर महादेव के पूजन पश्चात गर्भगृह में 11 ब्राह्मणों ने महाकाल का अभिषेक किया। दोपहर में भोग आरती व इसके बाद संध्या पूजा की गई। भगवान को चांदी के मुखौटे, मखमली वस्त्रों, फलों की मालाएं अर्पित कर सजाया। शनिवार को महाकाल शिव तांडव रूप में दर्शन देंगे।

जंप रोप में मिले गोल्ड और सिल्वर मेडल

उज्जैन। अक्षत इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित द्वितीय इंटर स्कूल जंप रोप प्रतियोगिता में विद्यालय के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कई पदक अपने नाम किए हैं। इस अवसर पर आयोजित सम्मान समारोह में विद्यालय की उपप्राचार्य पल्लवी दिवाकर ने विजेता खिलाड़ियों को मेडल वितरित कर सम्मानित किया। प्रतियोगिता के दौरान छात्रों ने सिंगल बाउंस, जॉगिंग, स्पीड, डबल अंडर और टीम इवेंट में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। खिलाड़ियों ने तकनीक और गति का बेहतरीन तालमेल दिखाते हुए मेडल हासिल किए। विभिन्न वर्गों में हुए मुकाबलों में वैदांशी परमार ने गोल्ड मेडल (डबल अंडर), अंश जोशी, पार्थ खटरिया, नवशील परमार गोल्ड मेडल (डबल डच इवेंट) मनवेंद्र शर्मा गोल्ड मेडल (डबल अंडर), कृषांग पावक गोल्ड मेडल (30 स्पीड), पुष्पक सिंह जामरा गोल्ड मेडल, रिपुंजय सिंह सिकरवार सिल्वर मेडल। इसके अलावा अन्य कई खिलाड़ियों ने भी अपनी-अपनी आयु वर्ग में मेडल जीते। इस उपलब्धि पर संस्था के डायरेक्टर राहुल पंड्या, एकेडमिक डायरेक्टर सरोज वागले, सीसीओ राखी मेहता एवं खेल प्रशिक्षकों ने सभी विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की।